M.A. (Part-II) (Pali & Prakrit) (C.B.C.S. Pattern) Sem-IV

MAPPCBCS401 - Paper-I : Anguttarnikay Va Pali Kavya

अंगुत्तरनिकाय व पालि काव्य

P. Pages : 4 **GUG/S/19/10535**

Time : Three Hours * 2 5 7 4 * Max. Marks : 80

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहावीत.
स्विकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

''सचे पन, भिक्खवे, भिक्खु पच्चवेक्खमानो एवं जानाति - अनभिज्झालु बहुलं विहरामि, अब्यापन्नचित्तो बहुलं विहरामि, विगतथीनमिन्दो बहुलं विहरागि, अनुध्दतो बहुलं विहरामि, तिण्णविचिकिच्छो बहुलं विहरामि, अक्कोधनो बहुल विहरामि असङ्किलिट्ठचित्तो बहुलं विहरामि, असारध्दकायो बहुलं विहरामि, आरध्दविरियो बहुलं विहरामि, समाहितो बहुलं विहरामी' ति तेन भिक्खवे, भिक्खुना तेसुयेव कुसलेसु धम्मेसु पतिट्ठाय उत्तरि आसवानं खयाय योगो करणीयो'' ति।

किंवा / अथवा

''सचे, भिक्खवे, अञ्ञातितिथिया परिब्बाजका एवं पुच्छेय्युं किंमूलका, आवुसो, सब्बे धम्मा, किंसम्भवा सब्बे धम्मा, किंसमुदया सब्बे धम्मा, किंसमोसरणा सब्बे धम्मा, किंपरियोसामा सब्बे धम्मा ति, एवं पुट्ठा तुम्हे, भिक्खवे, तेसं अञ्ञतितिथियानं परिब्बाजकानं एवं ब्याकरेय्याथ - 'छन्दमूलका आवुसो, सब्बे धम्मा मनसिकारसम्भवा सब्बे धम्मा, फस्ससमुदया सब्बे धम्मा, वेदनासमोसरणा सब्बे धम्मा, समाधिप्पमुखा सब्बे धम्मा, सताधिपतेय्या सब्बे धम्मा, पञ्ञुत्तरा सब्बे धम्मा, विमुत्तिसारा सब्बे धम्मा अमतोगधा सब्बे धम्मा, निब्बान-परियोसाना सब्बे धम्मा ति। एवं पुट्ठा तुम्हे भिक्खवे, तेसं अञ्ञ तित्थियानं परिब्बाजकानं एवं ब्याकरेय्याथा'' ति।

ब) पब्बज्जासुत्तांविषयी माहिती लिहा. **6**
पब्बज्जा सुत्तं के बारें में जानकारी लिखिए।

किंवा / अथवा

सारिपुत्तं सुत्ताविषयी माहिती लिहा.
सारिपुत्तं सुत्तं के बारे में जानकारी लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

''इति खो, आनन्द,कुसलानि सीलानि अविप्पटिसारत्थानि अविप्पटिसारानिसंसानि अविप्पटिसारो पामोज्जत्थो पामोज्जनिसंसो, पामोज्जं पीतत्थं पीतानिसंसं, पीति पस्सध्दत्था पस्सध्दानिसंसा पस्सध्दि सुखत्था सुखानिसंसा, सुखं समाधत्थं समाधानिसंसं समाधि यथाभूतञाणदस्सनत्थो यथाभूतञाणदस्सनानिसंसो, यथाभूतञाणदस्सनं निब्बिदत्थं निब्बिदानिसंसं, निब्बिदा विरागत्था विरागानिसंसा विरागो विमुत्तिञाणदस्सनत्थो विमुत्तिञाणदस्सनानिसंसो। इति खो, आनन्द कुसलानि सीलानि अनुपुब्बेन अग्गाय परेन्ती'' ति।

किंवा / अथवा

''अच्छरियं, आवुसो, आवुसो। यत्र हि नाम सत्थु चेव सावकस्स च अत्थेन अत्थो ब्यञ्जनेन ब्यञ्जनं संसन्दिस्सति समेस्सति न विग्गय्हिस्सति, यदिदं अग्गपदस्मिं। इदामाहं, आवुसो भगवन्तं उपसङ्कमित्वा एतमत्थं अपुच्छिं। भगवा पि मे एतेहि अक्खरेहि एतेहि पदेहि एतेहि ब्यञ्जनेहि एतमत्थं ब्याकासि, सेय्यथापि आयस्मा सारिपुत्तो। अच्छरियं आवुसो, अब्भुतं आवुसो, यत्र हि नाम सत्थु चेव सावकस्स च अत्थेन अत्थो ब्यञ्जनेन ब्यञ्जनं संसन्दिस्सति समेस्सति न विञ्ञय्हिस्सति, अदिदं, अग्गपदस्मिं'' ति।

ब) पालि साहित्यामध्ये 'अंगुत्तरनिकायाचे स्थान व महत्व स्पष्ट करा. **6**
पालि साहित्य में अंगुत्तरनिकाय का स्थान और महत्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

व्यसन सुत्ताविषयी माहिती लिहा.
व्यसन सुत्त के बारे में जानकारी लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर लिहा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

''तीहि, भिक्खवे, धम्मेहि समन्नागतो भिक्खु अतिक्कम्म मारधेय्य आदिच्चोव विरोचति। कतमेहि तीहि? इध, भिक्खवे, भिक्खु असेखेन सीलक्खन्धेन समन्नागतो होति, असेखेन समाधिक्खन्धेन समन्नागतो होति, असेखेन पञ्ञाक्खन्धेन समन्नागतो होति-इमेहि खो, भिक्खवे, तीहि धम्मेहि समन्नागतो भिक्खुं अतिक्कम्म मारधेय्यं आदिच्चोव आदिच्चोव विरोचती'' ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेतंइति वुच्चति -

''सीलं समाधि पञ्ञा च, यस्स एते सुभाविता
अतिक्कम्म मारधेय्यं, आदिच्चोव विरोचती'' ति।
अयम्पि अत्थो वुत्तो भगवता, इति में सुतन्ति।

किंवा / अथवा

वुत्तञ्हेतं भगवता, वुत्तमरहताति मे सुत्तं - ''तिस्सो इमा, भिक्खवे, एसना। कतमा तिस्सो? कामेसना, भवेसना, ब्रम्हचरियेसना - इमा खो भिक्खवे, तिस्सो एसना'' ति एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेतं इति वुच्चति ॐ

''कामेसना भवेसना, ब्रम्हचरियेसना सह।
इति सच्चपरामासो, दिट्ठिठ्ठाना समुस्सया
''सब्बरागविरत्तस्स, तण्हक्खयविमुत्तिनो
एसना परिनिस्सट्ठा दिट्ठिठ्ठाना समूहता
एसनानं खया भिक्खु, निरासो अकथंकथी'' ति।।
अयम्पि अत्थो वुत्तो भगवता, इति में सुतन्ति।

ब) पाली साहित्यात इतिवुत्तकाचे महत्व स्पष्ट करा. **6**
पालि साहित्य में इतिवुत्तक का महत्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

मूलसुत्तांचा सारांश लिहा.
मूलसुत्त का सार लिखिए।

4. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

सोभयन्तो अनीकग्गं नागसंघपुरक्ख तो।
ददाभि भोगे भुंजस्सु जातिं चङ्क्ख अक्खहि पुच्छितो
उजुं जनपदो राजा हिमवन्तस्स पस्सतो
धनविरियेन संपन्नो कोसलेसु निकेतिनो।।
आदिच्चा नाम गोत्तेन, साकिया नाम जातिया
तुम्हा कुला पब्बजितो न कामे अभिपत्थयं।।
कामेस्वादीनवं दिस्वा नेक्खम्मं दट्ठु खेमतो
पधानाय गामेस्सामि एत्थ मे रञ्जति मनो' ति।।

किंवा / अथवा

अनुञ्जातपटिञ्ञाता तेविज्जा मयमस्मुओ
अहं पोक्खरसातिस्स तारुक्खस्सायं माणवो।।
तेविज्जानं यदक्खातं तत्र केवलिनोस्यसे
पदकस्मा वेय्याकरणा जपे आचरियसादिसा
तेसं नो जातिवादस्मिं विवादो अत्थि गोतम
जातिया ब्राम्हणो होति भारद्वाजो ति भासति।
अहं च कम्मना ब्रूमि एवं जानाहि चक्खुम।।
ते न सक्कोम सञ्ञत्तुं अञ्ञामञ्ञं मयं उभो।
भगवन्तं पुट्ठुमागम्ह संबुध्द विस्सुतं।।

ब) त्रिपटक साहित्यामध्ये सुत्तनिपाताचे महत्व स्पष्ट करा. **6**
त्रिपटक साहित्य में सुत्तनिपात का महत्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

सल्लसुत्ताचा सारांश लिहा?
सल्लसुत्त का सार लिखिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) निब्बाण 2) सुत्तनिपात

3) इतिवुत्तक 4) अंगुत्तरनिकाय

ब) योग्य पर्याय निवडा. **10**
सही विकल्प चुनिए।

1) अंगुत्तरनिकाय हा ग्रंथ किती निपातात विभक्त आहे.
अंगुत्तरनिकाय यह ग्रंथ कितने निपातो में विभक्त है।
1) 11 2) 15
3) 21 4) 18

2) अंगुत्तरनिकाय सुत्तपिटकाचा कितवा ग्रंथ आहे.
अंगुत्तरनिकाय सुत्तपिटक का कितने नंबर का ग्रंथ है?
1) पहिला 2) दुसरा
3) तिसरा 4) चौथा

3) समथ म्हणजे काय?
समथ मतलब क्या है।
1) समय 2) वेळ
3) शान्ती 4) प्रयास

4) संख्याबध्द शैली ही कोणत्या ग्रंथाची विशेषता आहे.
संख्याबध्द शैली यह कौनसे ग्रंथ की विशेषता है।
1) अंगुत्तरनिकाय 2) दिघनिकाय
3) थेरीगाथा 4) सुत्तनिपात

5) भिक्षूंच्या निवासाला काय म्हणतात?
भिक्षूं के निवास को क्या कहते है।
1) विहार 2) मंदीर
3) चर्च 4) मज्झिद

6) इतिवुत्तक किती निपातात विभक्त आहे.
इतिवुत्तक कितने निपातो में विभक्त है।
1) पाच 2) चार
3) सहा 4) तीन

7) सुत्तनिपातातील वग्ग किती आहेत?
सुत्तनिपात में वग्ग कितने है।
1) 10 2) 12
3) 05 4) 08

8) पब्बज्जा सुत्तात कोणत्या राजाचा उल्लेख आहे?
पब्बज्जासुत्त में किस राजा का उल्लेख किया है।
1) सिध्दार्थ 2) शुध्दोदन
3) अशोक 4) बिंबिसार

9) सुत्तनिपात खुद्दक निकायाचा कितवा ग्रंथ आहे?
सुत्तनिपात खुद्दक निकाय का कोनसे नंबर का ग्रंथ है।
1) 05 2) 07
3) 06 4) 09

10) सुत्तनिपातात किती सुत्त आहेत?
सुत्तनिपात में कितने सुत्त है।
1) 70 2) 120
3) 60 4) 16

****